अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु वरिष्ठ, माध्यमिक विद्यालय
प्रमाणपत्र परीक्षा
मार्च 2026
अंक योजना – व्यावसायिक अध्ययन (054)
पेपर कोड 66/5/2

सामान्य निर्देश:

1. आप इस बात से भली-भाँति अवगत हैं कि विद्यार्थी के वास्तविक व सही मूल्यांकन में जाँच एक महत्त्वपूर्ण प्रकिया है । इसमें हुई छोटी सी त्रुटि भी विद्यार्थियों की भविष्य की शिक्षा के लिए व शिक्षण पेशे के लिए गंभीर समस्या खड़ी कर सकती है । इन त्रुटियों से बचने के लिए आप से अनुरोध है कि इस मूल्यांकन को आरांभ करने से पूर्व आप स्पॉट इवैल्यूएशन के निर्देशों को ध्यान से पढकर समझ लें ।

2. मूल्यांकन नीति का संबंध संचालित परीक्षाओं की गोपनीयता से है । यह मूल्यांकन व उसके कई आयामों से जुड़ी है । जनसाधारण में इसकी जानकारी पूरी परीक्षा प्रणाली को पटरी से उतार, लाखों परीक्षार्थियों के जीवन को भविष्य में प्रभावित कर सकता है। इस दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी प्रकार की पत्रिका, समाचार पत्र अथवा वेबसाइट पर प्रकाशन आई पी सी की धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई को आमंत्रित करेगा ।

3. मूल्यांकन, अंक योजना में दिए गए निर्देशों के आधार पर होना चाहिए न कि व्यक्ति विशेष की अपनी व्याख्या अथवा विचार के आधार पर । अंक योजना का पालन सख्ती से होना चाहिए, हालाँकि उन उत्तरों को जाँचने के लिए जो कि नवीनतम सूचना अथवा ज्ञान व **अभिनव सूचना** आधारित हैं, को उचित अंक दिए जाएँ ।

4. अंकयोजना में केवल अपेक्षित उत्तरों के बिंदु दिए गए हैं । यह केवल मार्गदर्शन है, संपूर्ण उत्तर नहीं । विद्यार्थी अपने तरीके से अभिव्यक्ति कर सकता है। यदि अभिव्यक्ति ठीक हो तो उसे उत्तर के अनुसार अंक दिए जाएँ।

5. प्रधान परीक्षक को प्रत्येक परीक्षक द्वारा जाँची गई प्रथम पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच करनी है और यह देखना है कि अंक योजना के निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन हो रहा है या नहीं । यह सुनिश्चित होने के बाद ही परीक्षकों को बाकी की उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचने के लिए दी जाएँ कि जाँच में कोई महत्त्वपूर्ण विचलन नहीं है ।

6. प्रत्येक सही उत्तर पर मूल्यांकनकर्ता (√) का निशान लगाएँ तथा गलत उत्तर के लिए (X) का निशान लगाएँ । गलत उत्तर पर सही जैसा निशान बना कर और कोई अंक न देकर भ्रम की स्थिति से बचे । यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे साधारण गलती है ।

7. यदि प्रश्न के कई भाग है तो प्रत्येक भाग पर दाहिनी ओर अंक हैं । उस प्रश्न के सभी भागों के अंक जोड़कर उसे बाईं ओर लिखें और उस पर गोला लगा दें । इस बात का कड़ाई से पालन करें ।

8. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर अंक दें और इस पर गोला लगा दें ।

9. यदि परीक्षार्थी ने कुछ अधिक प्रश्न कर दिए हैं तो अधिक अंक वाले उत्तर पर अंक दें और दूसरे उत्तर पर "अतिरिक्त प्रश्न" लिखकर काट दें ।

10. किसी अशुद्धि पर केवल एक ही बार अंक काटे जाएँ, गलती का अंकों के काटने पर संचित प्रभाव नहीं पड़े ।

11. यहाँ 0-80 तक पूरा अंक मापन प्रयोग में लाया गया है । कृपया सही उत्तर के लिए पूरे अंक देने से हिचकिचाएँ नहीं । यदि उत्तर विशेष पूरे अंकों के लायक़ है तो उसे पूरे अंक दें ।

12. सभी परीक्षक आवश्यक रूप से मूल्यांकन केंद्र पर 8 घंटो के लिए मूल्यांकन करेंगे। वह प्रत्येक दिन मुख्य विषय में 20 उत्तर-पुस्तिकाओं का तथा अन्य विषयों में 25 उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे । इसका विवरण मूल्यांकन मार्गदर्शिका में दिया गया है । यह परिवर्तन पाठ्यक्रम व प्रश्नों की संख्या में कमी के कारण किया गया है।

13. परीक्षकों द्वारा भूतकाल में की गई कुछ त्रुटियाँ जो प्रकाश में आई हैं, इन्हें दोहराने से बचें -
    - किसी उत्तर पर अंकों के जोड़ में गलती ।
    - उत्तर-पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर गलत हस्तांतरण ।
    - शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नानुसार जोड़ में गलती ।
    - उत्तर-पुस्तिका के किसी उत्तर या उसके भाग का मूल्यांकन छूट जाना ।
    - शीर्षक पृष्ठ के दोनों स्तम्भों के जोड़ में गलती ।
    - अंकों के कुल योग में त्रुटि ।
    - कुल जोड़ में शब्दों व अंकों का आपसी मिलान न होना ।
    - उत्तर-पुस्तिका में ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत हस्तांतरण ।
    - उत्तर जो कि सही चिन्हित किए गए हैं लेकिन उसके अंक ना देना (यह सुनिश्चित किया जाए कि सही (√) का निशान स्पष्ट रूप से एवं सही तरीके से चिन्हित किया जाए, चाहे वह केवल एक पंक्ति हो । इसी प्रकार गलत उत्तर के लिए (X) का चिन्ह लगाया जाए ।
    - यदि किसी प्रश्न का आधा या एक भाग सही है और शेष भाग गलत है तो सही उत्तर पर भी अंक न देना ।

14. यदि मूल्यांकन के समय आप एक उत्तर को बिलकुल गलत पाते हैं तो उस पर (X) का निशान बनाकर (0) अंक अवश्य दें।

15. उत्तर-पुस्तिका में जाँच से छूटा हुआ कोई भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक लिखने से छूटा हुआ कोई प्रश्न तथा जोड़ में पाई गई अशुद्धि जो कि परीक्षार्थी द्वारा ढूँढ़ी गई है, मूल्यांकन से जुड़े व्यक्तियों व बोर्ड दोनों के ही सम्मान को ठेस पहुँचाता है, इसलिए सभी के सम्मान की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि सभी निर्देशों का पूरी बारीकी से पालन हो ।

16. वास्तविक मूल्यांकन आरम्भ करने से पूर्व परीक्षक को स्पॉट इवैल्यूएशन के सारे निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना है ।

17. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसने सभी प्रश्नों का मूल्यांकन कर उन्हें शीर्षक पृष्ठ पर चढ़ाकर ठीक से जमा कर अंकों को शब्दों में लिखा है ।

18, निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर, उम्मीदवारों को अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है । सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन, अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाएगा ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर / मूल्यांकन बिंदु	अंक योजना
	प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) हैं, जिनमें प्रत्येक 1 अंक का है ।	
प्रश्न 1	**'डक्कन मोटर्स लिमिटेड' का भारत के ऑटोमोबाइल क्षेत्र में एक प्रसिद्ध नाम है । यह व्यावसायिक वाहनों, जैसे बस, ट्रक तथा लॉरी और साथ ही यात्री वाहनों जैसे कार, स्कूटर आदि दोनो में व्यापार करती है । वर्तमान में इसका संगठनात्मक ढाँचा कार्यात्मक है । निदेशक मंडल ने अब इसे प्रभागीय ढाँचे में परिवर्तित करने का निर्णय लिया, जिसमें व्यावसायिक वाहनों तथा यात्री वाहनों के लिए अलग-अलग विभाग होंगे ।** **प्रभागीय ढाँचे में परिवर्तन के परिणामस्वरूप कम्पनी को जो लाभ मिलेगा उसे पहचानिये :** **(A) इससे लचीलेपन और पहल को प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि प्रत्येक विभाग एक स्वायत्त इकाई की तरह कार्य करेगा ।** **(B) इससे प्रयासों की पुनरावृत्ति कम होगी, जिसके परिणामस्वरूप पैमाने के लाभ मिलेंगे ।** **(C) इससे कर्मचारियों का प्रशिक्षण आसान होगा क्योंकि केंद्र-बिंदु सीमित कौशल श्रृंखला होगी ।** **(D) इससे व्यावसायिक विशिष्टीकरण को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि विशिष्ट कार्यों पर बल दिया जाएगा ।**	
उत्तर	(A) इससे लचीलेपन और पहल को प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि प्रत्येक विभाग एक स्वायत्त इकाई की तरह कार्य करेगा ।	1 अंक
प्रश्न 2	**चित्र I से चित्र II में विपणन प्रबंध अवधारणा (दर्शन) में हुए परिवर्तन को पहचानिये :**	

	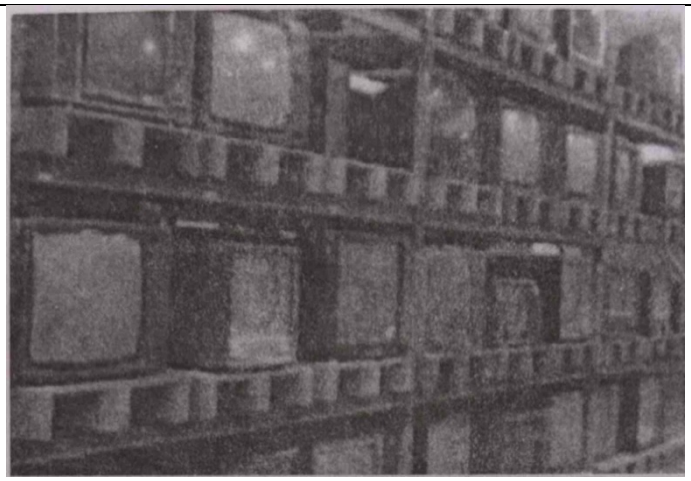 **टेलिविजन का बड़े पैमाने पर उत्पादन** **चित्र I** **टेलिविजन का उपयोग एक कम्प्यूटर मॉनिटर के रूप में** **चित्र II** **(A) उत्पादन अवधारणा से उत्पाद अवधारणा** **(B) उत्पादन अवधारणा से सामाजिक विपणन अवधारणा** **(C) सामाजिक विपणन अवधारणा से उत्पादन अवधारणा** **(D) उत्पाद अवधारणा से उत्पादन अवधारणा**	
उत्तर	(A) उत्पादन अवधारणा से उत्पाद अवधारणा	

	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थीयों के लिए प्रश्न संख्या 9 के स्थान पर है । **किसी उत्पाद को एक नाम या एक चिह्न या कोई प्रतीक आदि, देने की प्रक्रिया जानी जाती है :** **(A) ब्राण्ड** **(B) ब्रांडिंग** **(C) लेबलिंग** **(D) पैकेजिंग**	
उत्तर	(B) ब्रांडिंग	1 अंक
प्रश्न 3	**निम्नलिखित में से कौन-सा कारक एक कंपनी की पूँजी संरचना को प्रभावित नहीं करता ?** **(A) रोकड़ प्रवाह स्थिति** **(B) निवेश पर प्रत्याय (आय)** **(C) वित्तीयन विकल्प** **(D) शेयर बाज़ार की दशाएँ**	
उत्तर	(C) वित्तीयन विकल्प	1 अंक
प्रश्न 4	**मास्लो के आवश्यकता-क्रम अभिप्रेरणा के सिद्धांत के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन ग़लत है ?** **(A) व्यक्तियों का व्यवहार उनकी आवश्यकताओं पर निर्भर करता है ।** **(B) व्यक्तियों की आवश्यकताएँ एक क्रम श्रृंखला में होती हैं, आधारभूत आवश्यकताओं से प्रारम्भ होकर अन्य उच्च-स्तरीय आवश्यकताओं तक ।** **(C) एक आवश्यकता की संतुष्टि ही उस व्यक्ति को अभिप्रेरित कर सकती है ।** **(D) एक व्यक्ति क्रम में अगले उच्चतर स्तर की आवश्यकता तभी अनुभव करता है जब उसके निचले स्तर की आवश्यकता की संतुष्टि हो जाती है ।**	

उत्तर	(C) एक आवश्यकता की संतुष्टि ही उस व्यक्ति को अभिप्रेरित कर सकती है ।	1 अंक
प्रश्न 5	**'रिन्यू लिमिटेड' इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में प्रथम अन्वेषक था और वर्तमान में उसका बाज़ार अंश 70% है । लोगों में पर्यावरण के प्रति बढ़ती हुई जागरूकता तथा कम प्रचलन लागतों के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की तेज़ी से बढ़ती हुई माँग को ध्यान में रखते हुए, कम्पनी ने वर्तमान वर्ष में अपने बाज़ार अंश को 80% तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया । फिर भी, सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए दिए जाने वाले प्रोत्साहनों ने बाज़ार में बहुत से नए प्रतिस्पर्धियों को आकर्षित किया । क्योंकि व्यावसायिक पर्यावरण में ये परिवर्तन अचानक हुआ, कम्पनी सही ढंग से भविष्य की प्रवृत्तियों का अनुमान लगाने में असमर्थ रही । परिणामस्वरूप, 'रिन्यू लिमिटेड' का बाज़ार अंश वर्तमान वर्ष में 70% से घटकर 55% हो गया ।** **उपर्युक्त स्थिति में नियोजन की किस सीमा पर चर्चा की गई है ?** **(A) नियोजन परिवर्तनशील वातावरण में प्रभावी नहीं रहता** **(B) नियोजन दृढ़ता उत्पन्न करता है** **(C) नियोजन सफलता का आश्वासन नहीं है** **(D) नियोजन में भारी लागत आती है**	
उत्तर	(A) नियोजन परिवर्तनशील वातावरण में प्रभावी नहीं रहता	1 अंक
प्रश्न 6	**"प्रबन्ध के सिद्धांतों का प्रयोग एक विशेष समय की मौजूदा परिस्थितियों पर निर्भर करता है ।" यह कथन निम्नलिखित में से प्रबंध के सिद्धांतों की किस विशेषता पर प्रकाश डालता है ?** **(A) सामान्य मार्गदर्शन** **(B) लोचपूर्ण** **(C) मुख्यतः व्यावहारिक** **(D) अनिश्चित**	
उत्तर	(D) अनिश्चित	1 अंक
प्रश्न 7	**किसी उत्पाद के मूल्य निर्धारण को प्रभावित करने वाले तत्त्वों में से एक तत्त्व 'मूल्य निर्धारण का उद्देश्य' है । निम्नलिखित में से**	

	किस मूल्य-निर्धारण उद्देश्य के परिणामस्वरूप उत्पाद के लिए ज्यादा मूल्य निश्चित किया जाएगा ? **(A) बाज़ार हिस्सेदारी में अग्रणी/नेतृत्व प्राप्त करना** **(B) प्रतियोगी बाज़ार में टिके रहना** **(C) उत्पाद गुणवत्ता में नेतृत्व/अग्रिम स्थान प्राप्त करना** **(D) दीर्घ-अवधि में अधिकतम लाभ प्राप्त करना**	
उत्तर	(C) उत्पाद गुणवत्ता में नेतृत्व/अग्रिम स्थान प्राप्त करना	1 अंक
प्रश्न 8	**निम्नलिखित कथनों को पढ़िए : अभिकथन (A) तथा कारण (R) ।** **अभिकथन (A) : साधारण शक्तियाँ जेसे सामाजिक, राजनीतिक, विधिक तथा प्रौद्योगिकीय स्थितियाँ किसी व्यक्तिगत फर्म को केवल अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं ।** **कारण (R) : साधारण शक्तियों का सभी व्यावसायिक उद्यमों पर प्रभाव होता है, इसके विपरीत, विशिष्ट शक्तियाँ उनके दिन-प्रतिदिन के कामकाज़ में व्यक्तिगत फर्मों को तुरंत एवं प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं ।** **निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए:** **(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।** **(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R) , अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है ।** **(C) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।** **(D) अभिकथन (A) सही है, परंतु कारण (R) ग़लत है ।**	
उत्तर	(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	1 अंक
प्रश्न 9	**'टैन्गी बीवरेज़िज लिमिटेड' अपने लोकप्रिय खट्टे फलों के रस के लिए प्रसिद्ध है । इसने हाल ही में फलों के रस की एक नई श्रृंखला पेश**	

	की, जो उपभोक्ताओं के बीच तुरंत प्रसिद्ध (हिट) हो गई और इससे कम्पनी के लाभों में काफी बढ़ोतरी हुई । परिणामस्वरूप, निदेशक मंडल इस वर्ष के लिए अधिक लाभांश घोषित करना चाहते थे । मुख्य वित्तीय अधिकारी ने सुझाव दिया कि निर्णय लेने से पहले वे पिछले वर्षों में शेयर मूल्य पर लाभांश के प्रभाव का मूल्यांकन करें । एक विश्लेषण किया गया, जिसमें पता चला कि किस प्रकार पिछले वर्षों में जब भी लाभांश बढ़ाया गया, कम्पनी के शेयर मूल्य बढ़ गए । जबकी दूसरी ओर लाभांश में थोड़ी-सी कमी से शेयर मूल्य में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई । **उपर्युक्त स्थिति में मुख्य वित्तीय अधिकारी द्वारा मंडल को निम्नलिखित में से लाभांश निर्णय को प्रभावित करने वाले किस घटक का सुझाव दिया गया?** **(A) पूँजी बाज़ार तक पहुँच** **(B) शेयर बाज़ार प्रतिक्रिया** **(C) अंशधारियों की प्राथमिकता** **(D) रोकड़ प्रवाह स्थिति**	
उत्तर	(B) शेयर बाज़ार प्रतिक्रिया	1 अंक
प्रश्न 10	**एक स्मार्ट्फोन निर्माता कंपनी के उच्च प्रबन्धन ने हाल ही में यह देखा कि सरकार ने स्मार्ट्फोन में प्रयोग की जाने वाली बैटरी को अतितापन से बचाने के लिए नए सुरक्षा मानकों के आदेश पारित किए हैं । उसने यह भी देखा कि सरकार ने मोबाइल फोन में प्रयुक्त पुर्ज़ों पर आयात शुल्क में कमी की घोषणा की है ।** **व्यावसायिक पर्यावरण के वे आयाम जिन पर उपर्युक्त स्थिति में प्रकाश डाला गया है, वे हैं :** **(A) प्रौद्योगिकीय एवं विधिक पर्यावरण** **(B) राजनीतिक एवं प्रौद्योगिकीय पर्यावरण** **(C) विधिक एवं सामाजिक पर्यावरण** **(D) राजनीतिक एवं विधिक पर्यावरण**	
उत्तर	(D) राजनीतिक एवं विधिक पर्यावरण	1 अंक
प्रश्न 11	**सौंपे गए कार्य के परिणाम की जवाबदेही जानी जाती है _____ ।**	

	(A) अधिकार **(B) उत्तरदायित्व** **(C) उत्तरदेयता** **(D) अंतरण**	
उत्तर	(C) उत्तरदेयता	1 अंक
प्रश्न 12	**निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :** **कथन I: लोकतांत्रिक नेतृत्व शैली में, अनुयायियों को अपने उद्देश्यों और उन्हें प्राप्त करने के तरीकों को स्वयं तैयार करने के लिए उच्च स्तर की स्वतंत्रता दी जाती है ।** **कथन II : निरंकुश/एकतंत्रीय नेतृत्व शैली में, अधीनस्थों के साथ सम्प्रेषण केवल एकमार्गीय होता है, वे केवल अपने प्रबंधकों द्वारा दिए गए आदेशों के अनुसार कार्य करते हैं ।** **दिए गए कथनों के प्रकाश में, निम्नलिखित में सही विकल्प का चयन कीजिए :** **(A) कथन I सत्य है तथा कथन II असत्य है ।** **(B) कथन I असत्य है तथा कथन II सत्य है ।** **(C) कथन I तथा कथन II दोनों सत्य हैं ।** **(D) कथन I तथा कथन II दोनों असत्य हैं ।**	
उत्तर	(B) कथन I असत्य है तथा कथन II सत्य है ।	1 अंक
प्रश्न 13	**निम्नलिखित में से किसमें कार्यशील पूँजी की आवश्यकता अधिक (उच्च) होगी ?** **(A) व्यापारिक संगठन में** **(B) लघु प्रसंस्करण चक्र में** **(C) उच्च-स्तरीय प्रतियोगिता में**	

	(D) देनदारों के प्रति कठोर उधार नीति से	
उत्तर	(C) उच्च-स्तरीय प्रतियोगिता में	1 अंक
प्रश्न 14	**नियुक्तिकरण प्रक्रिया का वह चरण जिसमें किसी कर्मचारी की वर्तमान और/या भूतपूर्व निष्पादन का कुछ पूर्व-निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है :** **(A) अनुस्थापन तथा अभिविन्यास** **(B) निष्पादन मूल्यांकन** **(C) पदोन्नति एवं कैरियर नियोजन** **(D) भर्ती**	
उत्तर	(B) निष्पादन मूल्यांकन	1 अंक
प्रश्न 15	**एक डिपॉजिटरी प्रतिभागी (DP) के साथ डीमैट खाता खोलने का उद्देश्य है :** **(A) डीमैट रूप में प्रतिभूतियों को धारण करना और स्थानान्तरित करना** **(B) दलाल के साथ कोई समझौता करना** **(C) प्रतिभूतियों के किसी भी क्रय के लिए शेयर बाज़ार का भुगतान करना** **(D) प्रतिभूति बाज़ार में नगद लेनदेनों को सक्षम बनाना**	
उत्तर	(A) डीमैट रूप में प्रतिभूतियों को धारण करना और स्थानान्तरित करना	1 अंक
प्रश्न 16	**कॉलम I में दिए गए प्रोत्साहन को कॉलम II में दिए गए उसके अर्थ से मिलान कीजिए ।**	

कॉलम-I	कॉलम-II
a. नीति	(i) उस तरीके या व्यवहार को निर्धारित करती है जिसके द्वारा उद्देश्य के अनुसार एक कार्य को निष्पादित किया जाता है ।
b. कार्यक्रम	(ii) एक परियोजना के विषय में विस्तृत विवरण जो आवश्यक उद्देश्यों, नीतियों, कार्यविधियों, नियमों, कार्यों, मानवीय तथा भौतिक संसाधनों तथा किसी कार्य को करने के बजट की रूपरेखा बनाते हैं ।
c. विधि	(iii) व्यावसायिक पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने की एक व्यापक योजना ।
d. व्यूह-रचना	(iv) एक सामान्य कथन जो विचारों का मार्गदर्शन करता है या कर्मशक्ति को एक विशिष्ट दिशा में अग्रसर करता है ।

निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

(A) a-(ii), b-(iv), c-(i), d-(iii)

(B) a-(iv), b-(ii), c-(i), d-(iii)

(C) a-(iv), b-(ii), c-(iii), d-(i)

(D) a-(iv), b-(i), c-(ii), d-(iii)

उत्तर (B) a-(iv), b-(ii), c-(i), d-(iii) — 1 अंक

प्रश्न 17 **एक अग्रणी समाचार-पत्र कम्पनी ने देखा कि प्रतिस्पर्धी वेतन का भुगतान करने के बावजूद बहुत से प्रतिभाशाली संपादक त्यागपत्र दे**

	रहे थे । एक आन्तरिक सर्वेक्षण करने के बाद यह ज्ञात हुआ कि कर्मचारी असंतुष्ट थे क्योंकि उन्हें अन्य प्रतिस्पर्धी फर्मों के कर्मचारियों की भाँति वेतन के अतिरिक्त कोई लाभ नहीं दिया जाता था । यह समझते हुए कि ऐसे अतिरिक्त लाभ कर्मचारियों को अभिप्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, प्रबंधन ने कार-भत्ता, घर की सुविधा, चिकित्सा लाभ आदि देने का निर्णय लिया ताकि कर्मचारियों को संगठन में बनाए रखा जा सके और उनकी संतुष्टि में सुधार हो । **उस प्रोत्साहन को पहचानिये जिसे समाचार-पत्र कम्पनी ने अपने कर्मचारियों को देने का निर्णय लिया :** **(A) बोनस** **(B) सेवानिवृत्ति लाभ** **(C) अनुलाभ (परक्विजिट्स)** **(D) लाभ में भागीदारी**	
उत्तर	(C) अनुलाभ (परक्विजिट्स)	1 अंक
प्रश्न 18	**निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :** **कथन I : एक पेशे में प्रवेश न तो किसी परीक्षा के माध्यम से और न ही कोई शैक्षिक उपाधि प्राप्त करने से प्रतिबंधित है ।** **कथन II : किसी भी व्यावसायिक उद्यम में किसी भी व्यक्ति को प्रबंधक के रूप में मनोनीत करने अथवा नियुक्त करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है चाहे शैक्षिक योग्यता कोई भी हो ।** **दिए गए कथनों के प्रकाश में, निम्नलिखित में सही विकल्प का चयन कीजिए :** **(A) कथन I सत्य है तथा कथन II असत्य है ।**	

	(B) कथन I असत्य है तथा कथन II सत्य है । **(C) कथन I तथा कथन II दोनों सत्य हैं ।** **(D) कथन I तथा कथन II दोनों असत्य हैं ।**	
उत्तर	(B) कथन I असत्य है तथा कथन II सत्य है ।	1 अंक
प्रश्न 19	**निम्नलिखित कथनों को पढ़िए : अभिकथन (A) तथा कारण (R) ।** **अभिकथन (A) : निवेशक जनता शेयर बाज़ार में एक सुरक्षित एवं निष्पक्ष लेनदेन पाती है ।** **कारण (R) : शेयर बाज़ार की सदस्यता उचित ढंग से नियंत्रित होती है और इसके लेनदेन विद्यमान कानूनी ढाँचे के अनुसार सुपरिभाषित होते हैं ।** **निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए :** **(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।** **(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R) , अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है ।** **(C) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।** **(D) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) ग़लत है ।**	
उत्तर	(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	1 अंक
प्रश्न 20	**एक सॉफ़्टवेयर कम्पनी अपने व्यवयसाय को बढ़ाना चाहती है । इसके लिए उसे बड़ी संख्या में नए स्नातकों की आवश्यकता है जिनके पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टीफिशीयल इंटेलिजेंस) तथा आँकड़ा विश्लेषण (डेटा ऐनालेटिक्स) के क्षेत्र में अभिनव विचार हों । विद्यमान स्टॉफ के सदस्य इन विशिष्ट कौशलों में संपन्न नहीं हैं, अतः कार्यालय के स्वागत कक्ष पर एक नोटिस लगाया गया जिसमें वर्तमान कर्मचारियों से अपने मित्र या संबंधी को परिचित कराने**	

	के लिए कहा गया, जिनके पास संभवतः कार्य के लिए आवश्यक कौशल हो सकते हैं । **सॉफ़्टवेयर कम्पनी द्वारा उपयोग में लाया गया भर्ती का स्रोत है :** **(A) प्रत्यक्ष भर्ती** **(B) कर्मचारियों द्वारा अनुशंसा** **(C) स्थानान्तरण** **(D) पदोन्नति**	
उत्तर	(B) कर्मचारियों द्वारा अनुशंसा	1 अंक
प्रश्न 21	**'डीऐफ टेलिकॉम लिमिटेड' ने, जो भारतीय बाज़ार के लिए मोबाइल फोन की एक श्रृंखला का उत्पादन करती है, दिसम्बर 2025 के महीने में मोबाइल फोन की 30,000 इकाइयाँ उत्पादित करने का लक्ष्य तय किया। यह वह मानक था जिसके आधार पर वास्तविक निष्पादन को मापा जाएगा । महीने के अंत में, यह पाया गया कि केवल 27,000 इकाइयों का उत्पादन हुआ ।** **इस कमी से चिंतित सामान्य प्रबन्धक ने उत्पादन प्रबन्धक से समस्या का पता लगाकर उसका समाधान करने के लिए कहा ।** **उल्लेख कीजिए कि उत्पादन प्रबन्धक को समस्या का पता लगाने व उसका समाधान ढूँढ़ने के लिए कौन-से कदम उठाने होंगे जो प्रबन्ध के कार्यों में से एक कार्य की प्रक्रिया से सम्बन्धित हैं ।**	
उत्तर	<u>उत्पादन प्रबंधक को समस्या का पता लगाने व उसका समाधान ढूँढने के लिए, नियंत्रण प्रक्रिया से सम्बंधित जिन चरणों का पालन करना होता है, वे इस प्रकार हैं :</u> (i) <u>विचलन विश्लेषण</u> - इसके अंतर्गत, '<u>अपवाद द्वारा प्रबंध</u>' का उपयोग करना, जिसमें ऐसे विचलनों का पता लगाया जाता है	1½

	जो अनुमति देने की सीमा निर्धारित करते हैं तथा 'जटिल बिंदु नियंत्रण' का उपयोग करना, जिसमें यह निश्चित किया जाता है कि विचलन के मुख्य क्षेत्र क्या हैं, जिन पर कार्रवाई तुरंत की जानी है, अपेक्षाकृत उन क्षेत्रों के, जो अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं हैं और उन कारणों का पता लगाया जाता है । (ii) सुधारात्मक कार्यवाही करना : - यदि विचलन अपनी निर्धारित सीमा लांघ जाते हैं, विशेषकर महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में, तो प्रबंधकीय कार्रवाई की तुरंत आवश्यकता होती है ताकि फिर से विचलन उत्पन्न न हो तथा मानकों को प्राप्त किया जा सके ।	1½ = 3 अंक
प्रश्न 22	**'प्रीमियर लिमिटेड' एक कपड़ा कम्पनी है जो उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्रों तथा पर्यावरण स्थिरता के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती है । कम्पनी अपने वर्तमान एवं संभावित क्रेताओं की आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक समझकर कपड़ों को डिज़ाइन करती है और प्रभावपूर्ण ढंग से उनकी संतुष्टि करती है । यह मानती है कि लाभ को केवल तभी अधिकतम किया जा सकता है जब सभी निर्णय ग्राहक संतुष्टि को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं । ग्राहक की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ 'प्रीमियर लिमिटेड' समाज के दीर्घकालीन कल्याण के प्रति गहरी चिंता भी दर्शाती है । पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने के लिए कम्पनी जैविक कपास एवं पुनः नवीनीकृत पॉलिएस्टर का उपयोग कर रही है । कचरे को कम करने के लिए, वे एक कार्यक्रम चलाते हैं जहाँ ग्राहक पुराने कपड़े पुनःनवीनीकरण के लिए वापस कर सकते हैं तथा नए कपड़ों पर छूट प्राप्त कर सकते हैं । इतना ही नहीं वे अपने लाभों का एक भाग स्थानीय विद्यालयों में पर्यावरणीय शिक्षा कार्यक्रमों के लिए अलग रखते हैं ।** **'प्रीमियर लिमिटेड' द्वारा अनुसरण की जाने वाली विपणन प्रबंध की दो अवधारणाओं (दर्शनों) को पहचानिये एवं समझाइए ।** 'प्रीमियर लिमिटेड' द्वारा अनुसरण की जाने वाली विपणन प्रबन्ध की अवधारणाएं : -	
उत्तर		

	(i) विपणन अवधारणा - विपणन की अवधारणा का अर्थ है एक संगठन अपने वर्तमान और संभावित ग्राहकों की जरूरतों/ आवश्यकताओ को पहचानकर और उन्हें प्रभावी ढंग से संतुष्ट करके लाभ को अधिकतम करने के अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है । (ii) सामाजिक विपणन - सामाजिक विपणन की अवधारणा के अंतर्गत, किसी भी संगठन का कार्य, लक्षित बाजार की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं की पहचान करना और प्रभावपूर्ण एवं कुशलतापूर्वक संतुष्टि प्रदान करना ताकि उपभोक्ताओ और समाज के दीर्घकालीन कल्याण का ध्यान रखा जा सके ।	(पहचान के लिए ½ अंक + विवरण के लिए 1 अंक) = 1½ X 2 = 3 अंक
प्रश्न 23 उत्तर	**(क) वित्तीय नियोजन के महत्त्व के किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख कीजिए ।** (क) वित्तीय नियोजन का महत्त्व : (कोई तीन) (i) यह विभिन्न व्यावसायिक परिस्थितियों में भविष्य में क्या हो सकता है, इसका पूर्वानुमान लगाने में सहायता करता है, जिससे फर्म सम्भावित परिस्थिति का बेहतर ढंग से सामना कर सके । (ii) यह व्यावसायिक झटकों तथा विस्मयों से बचने में सहायता करता है और कम्पनी को भविष्य के लिए तैयार करने में सहायता करता है । (iii) यह स्पष्ट नीतियाँ और कार्यविधियाँ प्रदान कर, विभिन्न व्यावयसायिक कार्यों जैसे विक्रय एवं उत्पादन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने में सहायता करता है । (iv) वित्तीय नियोजन के अंतर्गत तैयार की गई कार्यों की विस्तृत योजनाएँ, अपव्यय, प्रयासों के दोहरीकरण तथा नियोजन में अन्तरालों को कम करती हैं । (v) यह वर्तमान को भविष्य से जोड़ने का प्रयत्न करता है ।	1 X 3 = 3 अंक

	(vi) यह निरन्तर आधार पर निवेश और वित्तीय निर्णयों के बीच एक सम्बन्ध स्थापित करता है । (vii) विभिन्न व्यावसायिक खण्डों के उद्देश्यों की व्याख्या करके यह वास्तविक निष्पादन का आसानी से मूल्यांकन करता है ।	
	अथवा	अथवा
प्रश्न 23	**(ख) एक कम्पनी की स्थायी पूँजी आवश्यकताओं का निर्धारण करने वाले किन्हीं तीन कारकों का उल्लेख कीजिए ।**	
उत्तर	(ख) स्थायी पूँजी की आवश्यकता को प्रभावित करने वाले घटक : (कोई तीन) (i) <u>व्यवसाय की प्रकृति</u> के अंतर्गत, एक निर्माणी संगठन की तुलना में एक व्यापारिक इकाई की स्थायी सम्पत्तियों में निवेश की आवश्यकताएँ कम होती हैं । (ii) <u>संक्रिया के मापदंड/पैमाने के अंतर्गत</u>, एक वृहद आकार वाले संगठन जो बड़े स्तर पर संचालित है उसे छोटे संगठन की तुलना में स्थायी सम्पत्तियों में उच्च निवेश की आवश्यकता होती है । (iii) <u>तकनीक का विकल्प</u>, स्थायी पूँजी की आवश्यकता को प्रभावित करने वाला एक कारक है । एक पूँजी प्रधान संगठन को, सयंन्त्र में अत्यधिक निवेश की आवश्यकता होती है जबकि एक श्रम प्रधान संगठन को स्थायी संपत्तियों में कम निवेश की आवश्यकता होती है । (iv) कुछ उद्योगों में जहाँ पर सम्पत्तियाँ जल्दी अप्रचलित हो जाती हैं और <u>तकनीकी उत्थान</u> के कारण उन्हें जल्दी बदलने की आवश्यकता होती है, वहाँ स्थायी सम्पत्तियों में उच्च निवेश की आवश्यकता होती है ।	1 X 3 = 3 अंक

	(v) एक संगठन में ऊँची दर के <u>विकास की प्रत्याशा</u> के लिए प्रायः स्थायी सम्पतियों में अत्यधिक निवेश की आवश्यकता होती है । परिणामस्वरूप अधिक स्थायी पूँजी की आवश्यकता होगी । (vi) <u>विविधिकरण</u> से स्थायी पूँजी की आवश्यकताएँ बढ़ती है जिससे स्थायी सम्पत्तियों में अधिक निवेश करना पड़ता है । (vii) <u>वित्तीय विकल्प</u> के रूप में स्थायी संपत्तियों में निवेश की पट्टेदारी सुविधा के उपलब्धता से प्रभावित होती है क्योंकि यह सुविधा स्थायी सम्पत्तियों से कोषों के निवेश की आवश्यकता को सम्पत्तियों को क्रय की स्थिति से कम करती है । (viii) <u>सहयोग का स्तर</u> स्थायी सम्पत्तियों में निवेश के स्तर को कम करता है क्योंकि संगठन एक दूसरे की सुविधाओं को साझा करते हैं । (नोट : यदि एक परीक्षार्थी केवल बिंदुओं को सूचीबद्ध करता है तो प्रत्येक बिंदु के लिए ½ अंक दिया जाना चाहिए ।)	
प्रश्न 24 उत्तर	**(क) 'प्राथमिक बाज़ार' एवं 'द्वितीयक बाज़ार' में अंतर के किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख कीजिए ।** (क) प्राथमिक बाजार और द्वितीयक बाजार में अंतर (कोई तीन)	

प्राथमिक बाजार	द्वितीयक बाज़ार
(i) प्राथमिक बाज़ार में, नई कंपनियों द्वारा प्रतिभूतियों का विक्रय अथवा वर्तमान कंपनियों द्वारा नई प्रतिभूतियों का निर्गमन किया जाता है।	द्वितीयक बाज़ार में; केवल वर्तमान अंशों का ही व्यापार होता है।

	(ii) प्राथमिक बाजार में, प्रतिभूतियों को कंपनी सीधे नियोजकों को बेचती है।	द्वितीयक बाज़ार में, वर्तमान प्रतिभूतियों का निवेशकों के बीच विनिमय होता है। कंपनी की इसमें कोई भूमिका नहीं होती।	1 X 3 = 3 अंक
	(iii) इसमें कोष बचतकताओं निवेशकों को जाता है अर्थात् प्राथमिक बाज़ार प्रत्यक्ष रूप से पूँजी निर्माण को बढ़ावा देता है।	यह शेयरों की रोकड़ में तरलता को बढ़ाता है अर्थात् द्वितीयक बाज़ार परोक्ष रूप से पूजी निर्माण को बढ़ावा देता है।	
	(iv) प्राथमिक बाज़ार में प्रतिभूतियों का केवल क्रय होता है इनको बेचा नहीं जा सकता।	द्वितीय बाज़ार में प्रतिभूतियों का क्रय एवं विक्रय दोनों होते हैं।	
	(v) इसमें मूल्य का निर्धारिण एवं निर्णय, कंपनी का प्रबंधक लेता है।	इसमें मूल्यों का निर्धारण प्रतिभूति की माँग एवं पूर्ति के द्वारा होता है।	
	(vi) इसका कोई स्थायी भौगोलिक स्थान निश्चित नहीं है।	यह निश्चित स्थान पर स्थित है।	
	अथवा		अथवा

प्रश्न 24 उत्तर	**(ख) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के किन्हीं तीन उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए ।** (ख) भारतीय प्रतिभूति विनियमन बोर्ड के कार्य (कोई तीन) (i) स्टॉक एक्सचेंजों और प्रतिभूति उद्योग को विनियमित करना ताकि उनके सुव्यवस्थित कामकाज को बढ़ावा दिया जा सके । (ii) निवेशकों, विशेषतः अकेले निवेशकों के अधिकारों व हितों की रक्षा करना, उनका मार्गदर्शन करना व उन्हें शिक्षित करना । (iii) शेयर बाज़ार में होने वाली ग़लत प्रथाओं को रोकना और स्व-नियमन तथा वैधानिक नियमन के मध्य संतुलन स्थापित करना । (iv) दलालों, व्यापारियों, बैंकरों आदि जैसे मध्यस्थों के लिए आचार-संहिता व उचित कार्य-प्रणालियों को विनियमित व विकसित करना, ताकि उन्हें प्रतिस्पर्धी और पेशेवर बनाया जा सके ।	1 X 3 = 3 अंक
प्रश्न 25 उत्तर	**(क) प्रबंध के सिद्धांतों के महत्त्व के निम्नलिखित बिंदुओं को समझाइए :** **(i) वैज्ञानिक निर्णय** **(ii) प्रबंधकों को वास्तविकता का उपयोगी सूक्ष्म ज्ञान प्रदान करना** प्रबंध के सिद्धांतों का महत्त्व (i) वैज्ञानिक निर्णय • निर्णय, निर्धारित उद्देश्य के रूप में विचारणीय एवं न्यायोचित तथ्यों पर आधारित होने चाहिए. और साथ ही समयानुकूल, वास्तविक एवं मापन तथा मूल्याकन के योग्य होने चाहिए। • प्रबन्धकीय निर्णय जो सिद्धान्तों के आधार पर लिए जाते हैं वे व्यक्तिगत द्वेष भावना तथा पक्षपात से मुक्त होते हैं और परिस्थिति के तर्कसंगत मूल्यांकन पर आधारित होते हैं।	2 + 2 = 4 अंक

	(ii) प्रबन्धको को वास्तविकता का उपयोगी सूक्ष्म ज्ञान प्रदान करना: • इन सिद्धान्तों को अपनाने से प्रबन्धकों के प्रबन्धकीय स्थिति एवं परिस्थितियों के सम्बन्ध में ज्ञान, योग्यता एवं समझ में वृद्धि होगी। • ये सिद्धान्त प्रबन्धकों को उनकी पिछली भूलों से कुछ सीखने तथा बार बार, उत्पन्न होने वाली समस्याओं को तेजी से हल कर समय की बचत करने के योग्य बनाते है जिससे प्रबन्धकों की प्रबन्ध क्षमता में वृद्धि होती है।	
	अथवा	अथवा
प्रश्न 25	**(ख) वैज्ञानिक प्रबंध की निम्नलिखित तकनीकों को समझाइए :** **(i) विभेदात्मक पारिश्रमिक प्रणाली** **(ii) समय अध्ययन**	
उत्तर	(ख) वैज्ञानिक प्रबंध की तकनीकें (ii) <u>विभेदात्मक पारिश्रमिक प्रणाली</u> • इस प्रणाली में कुशल तथा अकुशल कर्मचारियों में अंतर के लिए, कुशल कर्मचारियों को पारितोषिक मिलना चाहिए । प्रमापित कार्यों या प्रमापित कार्यों से अधिक कार्यों को पूरा करने के लिए और प्रमापित कार्यों से कम कार्यों के लिए, विभेदात्मक इकाई मज़दूरी प्रणाली का उपयोग किया जाना चाहिए । • टेलर के अनुसार ये प्रणाली एक अकुशल कर्मचारी को कार्य को और अधिक श्रेष्ठता से करने के लिए अभिप्रेरक का काम करती है । (ii) <u>समय अध्ययन</u>	2

	• समय अध्ययन तकनीक से भली-भाँति परिभाषित कार्य को पूरा करने के लिए मानक समय का निर्धारण किया जाता है । इसके लिए समय-मापक यंत्रों का प्रयोग किया जाता है । • समय अध्ययन का उद्देश्य कर्मियों की संख्या का निर्धारण, उपयुक्त प्रेरक योजनाओं को तैयार करना तथा श्रम की लागत का आकलन करना होता है ।	+ 2 = 4 अंक
प्रश्न 26 उत्तर	**(क) प्रबंध की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।** (क) प्रबंध की विशेषताएं (कोई चार) (i) <u>प्रबंध एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है</u> क्योकि यह संगठन के विभिन्न लोगों के प्रयासों को उसके उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु एक सूत्र में बांधता है| (ii) प्रबंध एक <u>सर्वव्यापी</u> कार्य है क्योंकि सभी प्रकार के संगठनो जो चाहे आर्थिक, सामाजिक या राजनैतिक हो उन में इसकी क्रियाएँ समान ही रहती है। (iii) <u>प्रबंध बहुआयामी है</u> क्योंकि इसमें कार्य का प्रबंध, व्यक्तियों का प्रबंध व परिचालनों का प्रबंध सम्मिलित है। (iv) प्रबंध प्रक्रिया <u>निरंतर</u> एकजुट लेकिन पृथक-पृथक कार्यों की एक श्रृंखला है जिन्हें सभी प्रबंधक सदैव ही निष्पादित करते हैं। (v) प्रबंध एक <u>सामूहिक क्रिया</u> है जिसमें टीम की तरह काम करते हुए व्यक्तिगत प्रयत्नों को समान दिशा में समन्वित कर संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति आवश्यक है। (vi) प्रबंध एक <u>गतिशील कार्य है</u> एवं इसे बदलते पर्यावरण के अनुरूप अपने को ढालना होता है। (vii) प्रबंध एक <u>अमूर्त शक्ति</u> है जो दिखाई नहीं देती पर संगठन के कार्यों के अनुरुप जिसकी उपस्थिति का अनुभव किया जा सकता है।	1 X 4 = 4 अंक

	(यदि परीक्षार्थी ने केवल विन्दुओं को सूचीबद्ध किया है तो प्रत्येक बिंदु के लिए ½ अंक दिया जाने चाहिए)	
	अथवा	अथवा
प्रश्न 26	**(ख) उच्च-स्तरीय प्रबंधकों द्वारा निष्पादित किए जाने वाले किन्हीं चार कार्यों का उल्लेख कीजिए ।**	
उत्तर	(ख) उच्चस्तरीय प्रबंधकों द्वारा निष्पादित कार्य (कोई चार) (i) संगठन के सभी उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न तत्त्वों में एकता एवं विभिन्न विभागों के कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना । (ii) ये संगठन के कल्याण व निरंतरता के लिए उत्तरदायी होते हैं । (iii) यह फर्म के जीवन पर व्यावसायिक वातावरण के प्रभाव और उसके परिणामों का विश्लेषण करते हैं । (iv) ये समग्र संगठनात्मक लक्ष्य और उनकी प्राप्ति के लिए रणनीतियाँ तैयार करते हैं । (v) ये व्यवसाय के सभी कार्यों व समाज पर उनके प्रभाव के लिए उत्तरदायी होते हैं ।	1 X 4 = 4 अंक
प्रश्न 27	**'एएल पब्लिक स्कूल' के कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए एक विदाई समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया । एक कोर टीम का गठन किया गया और विचार-मंथन के बाद विभिन्न क्रियाओं की पहचान की गई जिन्हें इस कार्य के लिए निष्पादित जाना आवश्यक था । यह निर्णय लिया गया कि अल्पाहार, ध्वनि और संगीत, टेंट, उपहार, आमंत्रण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम की व्यवस्थाएँ करनी होंगी । इसके बाद विद्यार्थियों ने कार्य को प्रबंधनीय गतिविधियों में विभाजित किया ताकि कार्य की पुनरावृत्ति को रोका जा सके तथा कार्य का बोझ विभाजित हो जाए ।** **विद्यार्थी बहुत उत्साहित थे कि वे स्वयं पूरे कार्य का प्रबन्धन कर रहे थे ।**	

	(i) कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने संगठन-प्रक्रिया के एक कदम को निष्पादित किया । कदम को पहचानिये । **(ii) संगठन-प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए विद्यार्थियों द्वारा निष्पादित किए जाने के लिए आवश्यक अगले तीन कदमों का उल्लेख कीजिए ।**	
उत्तर	(i) कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने संगठन प्रक्रिया के '<u>कार्य की पहचान तथा विभाजन</u>' के कदम को निष्पादित किया है । (ii) संगठन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए विद्यार्थियों द्वारा निष्पादित किए जाने के लिए आवश्यक अगले तीन कदम हैं - (क) <u>विभागीकरण</u> - विभागीकरण के अंतर्गत उन क्रियाओं का समूहन किया जाता है ; जो सामान प्रकृति की हैं, जिससे विभागों की रचना की जाती है और यह विशिष्टिकरण को भी सरल बनाता है । (ख) <u>कर्तव्यों का निर्धारण</u> - कर्तव्यों का निर्धारण के अंतर्गत प्रत्येक विभाग के सदसयों में कार्य निधरिण के आधार पर उनकी निपुणता तथा सक्षमता के आधार पर आबंटित कर दिया जाता है । (ग) <u>वृतांत (रिपोर्टिंग) सम्बंध स्थापन</u> करना जिससे प्रत्येक कर्मचारी को यह ज्ञात होना चाहिए कि उसे किससे आदेश प्राप्त करना है तथा वह किसके प्रति जवाबदेह है ।	1 + 1 X 3 = 4 अंक
प्रश्न 28	**'रतन लिमिटेड' तथा 'लारा लिमिटेड' दो कम्पनियाँ हैं और प्रत्येक की विनियोजित पूँजी ₹ 20,00,000 है । 'रतन लिमिटेड' ने अंशों को निर्गमित कर कोष एकत्रित किए हैं जबकि 'लारा लिमिटेड' की पूँजी में 60% समता (₹100 प्रत्येक के अंशों में) तथा 40% ऋण (8% ऋणपत्रों से मिलकर बना) है । दोनो कम्पनियों का निवेश पर प्रत्याय 10% है तथा कर दर 40% है ।**	

कारण सहित उल्लेख कीजिए की कौन-सी कम्पनी अंशधारियों को बेहतर प्रतिफल देगी। अपनी गणनाओं को स्पष्टता से दर्शाइए ।

उत्तर

गणनाएँ :

विवरण	रतन लिमिटेड (रूपए)	लारा लिमिटेड (रूपए)
अंश पूँजी (प्रत्येक 100 रूपय)	2000000	1200000
8% ऋणपत्र	-	800000
नियोजित पूँजी	2000000	2000000
विवरण	**रतन लिमिटेड (रूपए)**	**लारा लिमिटेड (रूपए)**
ब्याज एवं कर से पूर्व आय	200000	200000
घटा : ब्याज @ 8%	-	64000
कर से पूर्व आय	200000	136000
घटा : कर @ 40%	(80000)	(54400)
कर के बाद आय	120000	81600
प्रतिअंश आय = कर के बाद आय / अंशों की संख्या	120000 / 20000 = 6	81600 / 12000 =6.8

3

+

लारा लिमिटेड अंशधारियों को बेहतर प्रतिफल देने के योग्य होगी । ½

+

कारण : पूँजी ढाँचे में ऋण की उपस्थिति के कारण लारा लिमिटेड अपने अंशधारियों को उच्च प्रतिफल देने के योग्य होगी । ½

= 4 अंक

प्रश्न 29 **रिषभ ने ₹ 8,00,000 में कार खरीदी । उसने उसी दिन ऐलेक्स इंश्योरेंस कम्पनी से कार का बीमा कराया । रिषभ की कार केडवान में चोरी हो गई, जब वह अपने परिवार के साथ छुट्टी पर था।**

	उसने तत्काल प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज करवाई, बीमाकर्ता को सूचित किया तथा सभी आवश्यक प्रलेख जमा करा दिए । **रिषभ को बहुत बड़ा झटका लगा, जब बीमा कम्पनी ने उसके दावे को अस्वीकार कर दिया, यह आरोप लगाते हुए कि वह उचित सावधानी रखने में विफल रहा है और उसने कार की पार्किंग बहुत असुरक्षित ढंग से की थी । इसे चुनौती देने का संकल्प लेते हुए, रिषभ ने बीमा कम्पनी को बहुत से पत्र लिखे, परंतु बीमा कम्पनी ने क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के लिए मना कर दिया ।** **रिषभ ने जिला कमीशन में मुक़दमा दायर कराया । जिला कमीशन शिकायत की यथार्थता से संतुष्ट था और उसने बीमा कम्पनी को उचित राशि के भुगतान का आदेश दिया ।** **रिषभ द्वारा प्रयोग किए गए दो उपभोक्ता अधिकारों को पहचानिये एवं समझाइए ।**	
उत्तर	रिषभ द्वारा प्रयोग किए गए उपभोक्ता अधिकार हैं : (i) <u>सुनवाई का अधिकार</u> • उपभोक्ता को किसी वस्तु या सेवा से असंतोष के मामले में शिकायत दर्ज करने और सुनवाई का अधिकार है । • इस कारण कई प्रबुद्ध व्यवयसायिक फर्मों ने अपने उपभोक्ता सेवा और शिकायत कक्ष स्थापित किए हैं । (ii) <u>क्षतिपूर्ति का अधिकार</u> • यदि उत्पाद या सेवा में उपभोक्ता की अपेक्षाओं की तुलना में कमी रहती है तो उसे राहत पाने का अधिकार है । • उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम उपभोक्ताओं को कई राहतें उपलब्ध कराता है । जिसके अंतर्गत उत्पाद को बदलने, उत्पाद	(1 अंक पहचान के लिए + 1 अंक विवरण के लिए) = 2 X 2 = 4 अंक

	में दोष को दूर कराने, उपभोक्ता को किसी भी हानि या चोट के लिए क्षतिपूर्ति का भुगतान आदि सम्मिलित है ।	
प्रश्न 30	**हितेश ने हाल ही में एक वस्त्र निर्माणी कम्पनी आरम्भ की थी । लेकिन उसने जल्द ही बहुत-सी समस्याओं का सामना करना आरम्भ कर दिया जैसे लक्ष्यों का प्राप्त न होना, प्रबन्धकों के मध्य संघर्ष, श्रम की उच्च आवर्त दर आदि । उसने यह पता लगाने के लिए कि क्या ग़लत हो रहा था, एक प्रबन्ध परामर्शदाता को काम पर रखा । परामर्शदाता ने जाँच-पड़ताल की और निम्नलिखित राय (टिप्पणी) दी :** **(i) उत्पादन विभाग में, कामगार उत्पादन प्रबन्धक तथा विपणन प्रबन्धक दोनों से आदेश प्राप्त कर रहे थे । परिणामस्वरूप, किए जाने वाले कार्यों के सम्बन्ध में अत्यधिक भ्रांति थी ।** **(ii) पदोन्नति केवल महिला कर्मचारियों को दी जा रही थी । अन्य कर्मचारियों को कम्पनी में पदोन्नति के समान अवसर नहीं मिल रहे थे ।** **फेयोल द्वारा दिए गए प्रबन्ध के उन दो सिद्धांतों को पहचानिये एवं समझाइए जिनका पालन हितेश की कम्पनी में नहीं किया जा रहा है ।**	
उत्तर	<u>फेयोल द्वारा दिए गए प्रबंध के वे दो सिद्धान्त जिनका पालन हितेश की कम्पनी में नहीं किया जा रहा है :</u> (i) आदेश की एकता • आदेश की एकता के सिद्धान्त के अनुसार किसी भी संगठन में कार्यरत व्यक्ति को एक ही अधिकारी से आदेश लेने चाहिए एवं उसी के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए । • इससे जो कार्य करना है उसके संबंध में किसी प्रकार की भ्रांति नहीं रहेगी । (ii) समता	½ अंक पहचान के लिए + 1½ अंक विवरण के लिए 2 X 2 = 4 अंक

	• यह सिद्धान्त किसी भी व्यक्ति के साथ लिंग, धर्म, भाषा, जाति, विश्वास अथवा राष्ट्रीयता आदि के आधार पर कोई भेदभाव न होने का समर्थन करता है । यह सिद्धान्त प्रबंधकों के श्रमिकों के प्रति व्यवहार में वफादारी और समर्पण को सुनिश्चित करने के लिए दयाभाव एवं न्याय पर बल देता है ।	
प्रश्न 31	**'यमी फूड्स' एक तेजी से बढ़ती हुई स्नैक्स श्रृंखला, पिछले 13 वर्षों से इस व्यवसाय में है । यह समझते हुए कि पौष्टिक आहार की माँग बहुत तेज़ी से बढ़ रही है, कम्पनी ने स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स के क्षेत्र में प्रवेश की योजना बनाई । उन्होंने इस क्षेत्र में अनुभव-प्राप्त विपणन प्रबन्धक को काम पर रखने का निर्णय लिया । इसके लिए उन्होंने एक अग्रणी समाचार-पत्र में विज्ञापन दिया और 200 से अधिक आवेदन-पत्र प्राप्त किए ।** **मानव संसाधन प्रबन्धक ने ध्यानपूर्वक सभी आवेदन-पत्रों को देखा और उन आवेदकों के आवेदन-पत्रों को रद्द कर दिया, जिनके पास आधारभूत योग्यताएँ नहीं थीं । नौकरी की आवश्यकताओं के अनुरूप न होने वाले उम्मीदवारों को छाँटने के लिए संक्षिप्त परिचयात्मक बातचीत भी आयोजित की गई । उसके बाद चुने गए उम्मीदवारों को एक परीक्षा देने के लिए कहा गया जिससे उनकी बुद्धिमत्ता, व्यक्तिगत विशेषताओं आदि का मापन कर सकें । वे उम्मीदवार जिन्होंने परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया, उन्हें कार्य पर उनकी उपयुक्तता के मूल्यांकन के लिए एक औपचारिक गहन बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया । एक उम्मीदवार को नियुक्ति-पत्र के माध्यम से विपणन प्रबन्धक की भूमिका के लिए नियुक्ति की तिथि का उल्लेख करते हुए नौकरी-प्रस्ताव दिया गया ।** **लेकिन नौकरी-प्रस्ताव देने से पहले, 'यमी फूड्स' ने चयन-प्रक्रिया के तीन चरणों का निष्पादन किया जिनकी चर्चा उपर्युक्त में नहीं की गई है । चरणों को पहचानिये एवं समझाइए ।**	
उत्तर	<u>'यमी फूड्स' द्वारा निष्पादित चयन प्रक्रिया के चरण</u> : -	

	(i) <u>संदर्भ तथा पृष्ठभूमि जाँच / परीक्षण</u> - • संदर्भ व्यक्तियों के बहुत से नियोक्ता नाम, पते तथा दूरभाष के लिए निवेदन करते हैं ताकि आवेदकों द्वारा भरी गई सूचनाओं की जाँच हो सके तथा उनके बारे में अतिरिक्त सूचना भी मिल सके । • संदर्भ के अंतर्गत पूर्व नियोक्ता, जान पहचान के व्यक्ति, शिक्षक तथा विश्वविद्यालय के प्रवक्ता आदि सम्मिलित हैं । (ii) <u>चयन निर्णय</u> - • अंतिम निर्णय उन उम्मीदवारों में से होता है जिन्होंने परीक्षाएँ उत्तीर्ण की हैं, जिनका साक्षात्कार तथा संदर्भ परीक्षण हुआ हो । • सम्बंधित प्रबंधक के विचार, सामान्यतः अंतिम चयन में निर्णायक सिद्ध होते हैं ; क्योंकि नए कर्मचारी के निष्पादन के लिए वही उत्तरदायी रहता है । (iii) <u>डॉक्टरी परीक्षण</u> • चयन निर्णय के पश्चात तथा नौकरी के प्रस्ताव के पूर्व, उम्मीदवार को चिकित्सकीय परीक्षण करवाना होता है । • डॉक्टरी परीक्षण के बाद, उम्मीदवार को शारीरिक रूप से कार्य करने के लिए उपयुक्त घोषित होने पर, पद-प्रस्ताव दिया जाता है ।	(पहचान एक लिए ½ अंक + विवरण के लिए 1½ अंक) = 2 X 3 = 6 अंक
प्रश्न 32 उत्तर	**(क) किन्हीं चार ग़ैर-वित्तीय प्रोत्साहनों को समझाइए ।** (क) ग़ैर वित्तीय प्रोत्साहन (i) पद-प्रतिष्ठा • इसका तात्पर्य संस्था में पदों के क्रम से है। अधिकार, उत्तरदायित्व, प्रतिफल, पहचान इत्यादि किसी व्यक्ति के प्रबंधकीय पद पर होने के परिचायक हैं।	

	• मनोवैज्ञानिक, सामाजिक तथा प्रतिष्ठा संबंधी मानवीय आवश्यकताएं पद को दी गई प्रतिष्ठा द्वारा संतुष्ट (पूरी) होती हैं। (ii) संगठनिक वातावरण • यह एक ऐसी विशेषता है जो कि एक संगठन को परिभाषित करती है तथा एक संस्था को दूसरी संस्था से अलग करती है। • व्यक्तिगत स्वतंत्रता, पारिश्रमिक अभिविन्यास कर्मचारियों का ध्यान रखना, जोखिम उठाना आदि विशेषताएँ, बेहतर संगठनिक वातावरण बनाने में सहायक होती हैं। (iii) <u>जीवन वृत्ति विकास के सुअवसर</u> : • प्रबंधकों को यह सुअवसर कर्मचारियों को देना चाहिए कि वे अपने कौशलों को सुधार सकें तथा उन्हें ऊँचे उच्चस्तरीय पदों पर नियुक्ति अथवा पदोन्नति मिल सके । • उपयुक्त दक्षता-विकास कार्यक्रम तथा ठोस पदोन्नति नीति कर्मचारियों को पदोन्नति पाने में सहायता करती है । पदोन्नति एक उत्साहवर्धक कार्य करती है तथा कर्मचारियों को अपने बेहतर निष्पादन को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करती है । (iv) <u>पद संवर्धन</u> • पद संवर्धन का संबंध उन कार्यों की रूप-रेखा तैयार करने से है जिसमे विविध प्रकार के कार्य अंश सम्मिलित हैं । इसमें उच्च स्तरीय ज्ञान तथा कौशल की आवश्यकता, कर्मचारियों को अधिक स्वायत्तता देना तथा उत्तरदायित्व देना है । यह व्यक्तिगत विकास के सुअवसर प्रदान करता है और एक अर्थपूर्ण कार्य-अनुभव देता है । • यदि कार्य का संवर्धन किया जाए तथा उसे रुचिपूर्ण बनाया जाए तो कार्य अपने आप में व्यक्ति के लिए अभिप्रेरणा का स्रोत बन जाता है । (v) <u>कर्मचारियों को पहचान/मान-सम्मान देने से संबंधित कार्यक्रम</u>	(½ अंक शीर्षक के लिए + 1 अंक विवरण के लिए) = 1½ X 4 = 6 अंक

	• पहचान का अर्थ है काम को पहचान कर उसे सराहना । जब इस प्रकार की प्रशंसा कर्मचारियों को उनके काम के निष्पादन के लिए की जाती है तो वह उच्च स्तर का काम करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं । • कर्मचारियों को पहचान देने के कुछ उदाहरण हैं: अच्छे निष्पादन पर कर्मचारी को बधाई देना, नोटिस बोर्ड पर उसका नाम प्रदर्शित करना अथवा कंपनी के न्यूज़लेटर (सूचनापत्र) में कर्मचारियों की उपलब्धि के विषय में छापना, उत्कृष्ट निष्पादन के लिए उन्हें पुरस्कार या प्रमाण पत्र देना, स्मृति चिन्हों का वितरण आदि । (vi) पद - सुरक्षा • कर्मचारी अपने भविष्य की आय तथा कार्य के लिए स्थिरता चाहते है ताकि उन्हें इन पक्षों पर चिन्ता न हो और वे अपना कार्य मन लगाकर या उत्साहित हो करें। यद्यपि लोगों को यह अहसास होता है कि उनकी नौकरी छूटनेवाली नहीं है, तो वे निष्क्रिय हो जाते हैं। (vii) <u>कर्मचारियों की भागीदारी</u> • इसका अर्थ है कर्मचारियों से संबंधित निर्णय लेने में उन्हें शामिल करना । • बहुत सारी कंपनियों में इस प्रकार के कार्यक्रम, संयुक्त प्रबंध समिति, कार्य समिति, जलपानगृह समिति इत्यादि के रूप में व्यवहार में कार्यान्वित हैं । (viii) <u>कर्मचारियों का सशक्तिकरण</u> • सशक्तिकरण का अर्थ है अधीनस्थों को अधिक स्वायत्तता तथा सत्ता देना । • सशक्तिकरण लोगों को ये एहसास दिलाता है कि उनका कार्य महत्वपूर्ण है । इस प्रकार की भावना कार्य-निष्पादन में कौशल तथा प्रतिभा का प्रयोग करने में सकारात्मक रूप से योगदान देती है ।	1½ X 4 = 6 अंक

	अथवा	अथवा
प्रश्न 32	**(ख) संप्रेषण की किन्हीं चार सांकेतिक बाधाओं को समझाइए ।**	1½ X 4 = 6 अंक
उत्तर	(ख) संप्रेषण की संकेतिक बाधाएँ: (कोई चार) **(i) <u>संदेश की अनुपयुक्त अभिव्यक्ति</u>** • कई बार प्रबंधक अधीनस्थों को निर्दिष्ट अर्थ नहीं समझा अथवा संप्रेषित कर पाता है। • यह अपर्याप्त शब्द भंडार, गलत शब्द प्रयोग से, आवश्यक शब्द न प्रयोग करने के कारण आदि से हो सकती है। **(ii) <u>विभिन्न अर्थों सहित संकेतक</u>** • एक शब्द के अनेक अर्थ हो सकते हैं। • प्राप्तकर्ता को शब्द के उसी अर्थ को समझना होता है जो प्रेषक उसे समझाना चाहता है। **(iii) <u>त्रुटिपूर्ण अनुवाद/रुपांतर</u>** • कुछ स्थितियों में, संप्रेषण का मसौदा मूल रूप से किसी एक भाषा में तैयार किया जाता है और कर्मचारियों को समझाने के लिए से इसका अन्य भाषा में अनुवाद करना होता है। • यदि अनुवादक दोनों ही भाषाओं में पारंगत नहीं है, तो संप्रेषण को अन्य अर्थ देने के कारण अनुवाद में गलतियाँ हो सकती हैं। **<u>(iv) अस्पष्ट संकल्पनाएं</u>** • कुछ संप्रेषणों की विशिष्ट संकल्पनाएँ, भिन्न व्याख्या संभव हैं। • ये अस्पष्ट संकल्पनाएँ, एक संप्रेषण बाधा की तरह कार्य करती है। **<u>(v) तकनीकी विशिष्ट शब्दावली</u>** • ऐसा प्रायः पाया जाता है कि विशेषज्ञ तकनीकी शब्दों का अत्यधिक प्रयोग करते हैं, उन व्यक्तियों को समझाने में जो उस संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ नहीं होते।	

	• इसलिए, वे बहुत से ऐसे शब्दों का वास्तविक अर्थ समझ नहीं पाते। **(vi) <u>शारीरिक भाषा तथा हाव-भाव की अभिव्यक्ति की डिकोडिंग</u>** • प्रेषक के शरीर के हाव-भाव तथा संकेत, संदेश देने में अत्यंत महत्व रखते हैं। • यदि जो कहा जाता है तथा जो शरीर के हाव-भाव द्वारा व्यक्त होता है उसमें ताल-मेल न हो तो, संप्रेषण का गलत अर्थ निकाला जा सकता है।	
प्रश्न 33

	(i) उत्पाद • उत्पाद का अर्थ है वस्तु, सेवाएँ अथवा अन्य कोई पदार्थ जिसका मूल्य है, जिन्हें बाज़ार में विक्रय के लिए प्रस्तावित किया जाता है । तथा इसमें उत्पाद का विस्तार अथवा उपभोक्ताओं के विक्रय के बाद की सेवाएँ प्रस्तावित करना, अतिरिक्त मशीनी पुर्जो को उपलब्ध कराना भी शामिल है । • महत्त्वपूर्ण उत्पाद निर्णयों में उत्पादों की लबेलिंग एवं ब्रांडिंग, पैकिजिंग, गुणवत्ता, विशेषताओं के बारे में निर्णयन शामिल है । (ii) प्रवर्तन • उत्पादों एवं सेवाओं के प्रवर्तन में वे क्रियाएँ शामिल हैं जो लक्षित उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की सूचनाएँ (उपलब्धतता, विशेषताएँ, लाभों) सम्प्रेषित करने तथा उन्हें इन उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने से सम्बंधित है । • अधिकांश विपणन संगठन कई प्रकार की प्रवर्तन क्रियाएँ करते हैं तथा विभिन्न तकनीकों जैसे विज्ञापन, वैयक्तिक विक्रय, जन सम्पर्क और बिक्री संवर्धन द्वारा अपने उत्पादों के प्रवर्तन पर भारी राशि खर्च करते हैं । (iii) स्थान • स्थान अथवा भौतिक वितरण में निर्दिष्ट उपभोक्ताओं को फर्म के उत्पादों को उपलब्ध कराने की क्रियाएँ सम्मिलित हैं । • इस सम्बंध में जो महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं, वे हैं : उपभोक्ताओं तक पहुँचने के लिए वितरक अथवा मध्यस्थों का चयन, स्टॉक का प्रबन्धन, संग्रहण एवं भंडारण तथा परिवहन द्वारा वस्तुओं का उनके उत्पादन के स्थान से उपभोक्ता के स्थान तक उपलब्ध कराना ।	(½ अंक पहचान के लिए + 1½ अंक विवरण के लिए) 2 X 3 = 6 अंक
प्रश्न 34	**(क) प्रबंध के नियोजन कार्य की निम्नलिखित विशेषताओं को समझाइए :** **(i) नियोजन एक मानसिक अभ्यास है** **(ii) नियोजन में निर्णय निहित है** **(iii) नियोजन भविष्यवादी है**	

उत्तर	(i) <u>नियोजन एक मानसिक अभ्यास है</u> : • नियोजन में दूरदर्शिता, बुद्धिमत्तापूर्ण कल्पना और ठोस निर्णय को साथ लेते हुए मस्तिष्क के अनुप्रयोग की आवश्यकता होती है । • वास्तव में यह करने की अपेक्षा मानसिक चिंतन क्रिया है क्योंकि नियोजन में यह तय किया जाता है कि क्या कार्यवाही की जाएगी । (ii) <u>नियोजन में निर्णय निहित है</u> : • नियोजन मुख्यतः विभिन्न विकल्पों तथा क्रियाओं में से सर्वोत्तम विकल्प का चुनाव करता है । • नियोजन प्रत्येक विकल्प का पूर्ण परीक्षण तथा मूल्यांकन करने के उपरांत ही उनमें से सर्वोत्तम विकल्प का चुनाव करता है । (iii) <u>नियोजन भविष्यवादी है</u> : • नियोजन में दूरदर्शिता सन्निहित है तथा यह भविष्य के लिए तैयार की जाती है । इसे भविष्यमूलक कार्य माना जाता है । • भविष्य की घटनाओं तथा दशाओं के पूर्वानुमान से संभावनानुसार योजनाएँ क्रमशः तैयार की जाती हैं ।	2 X 3 = 6 अंक
	अथवा	अथवा
प्रश्न 34	**(ख) संगठन के महत्त्व के निम्नलिखित बिंदुओं को समझाइए :** **(i) कार्य करने में संबंधों का स्पष्टीकरण** **(ii) संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग** **(iii) परिवर्तनों का अनुकूलन**	
उत्तर	<u>संगठन का महत्त्व</u> (i) <u>कार्य करने में संबंधों का स्पष्टीकरण</u> :	

	• कार्य करने में संबंधों का स्पष्टीकरण संप्रेषण को स्पष्ट करता है तथा यह निर्धारित करता है कि पदानुक्रम के अनुसार कौन किसे रिपोर्ट करेगा । • यह सूचना तथा अनुदेशों के स्थानांतरण में भ्रमों को दूर करता है । (ii) <u>संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग</u> : • संगठन काम के अति व्यापित होने से सभी द्रव्यात्मक या भौतिक तथा वित्तीय एवं मानव संसाधनों के यथोचित उपयोग को संभव बनाता है । • यह काम के दोहरेपन को दूर कर, प्रयासों तथा संसाधनों के अपव्यय को कम कर संदेहों की रोकथाम में सहायक है । (iii) <u>परिवर्तनों का अनुकूलन</u> : • संगठन प्रक्रिया व्यावसायिक इकाइयों को व्यावसायिक पर्यावरण परिवर्तनों में समायोजित होने की अनुमति प्रदान करता है । यह संगठन संरचना में प्रबंधकीय स्तर का उपयुक्त परिवर्तन तथा आपसी संबंधों के संशोधनों में पारगमन का मार्ग प्रशस्त करता है । • यह संगठन परिवर्तनों के बावजूद जीवित रहने तथा उन्नति करते रहने संबंधी आवश्यकता की पूर्ति करता है ।	2 X 3 = 6 अंक